मेरी मम्मी की अन्तर्वासना- 1

“मेरी हॉट MILF मॉम मुझे अपने साथ वेकेशन पर ले गयी. मैं हॉस्टल में रह कर पढ़ता था तो मैंने अपनी माँ के साथ बहुत कम समय बिताया था। वेकेशन में हम एक–दूसरे के बेहद करीब आ गए। …”

Story By: बिनोद (binodft)
Posted: Thursday, July 11th, 2024
Categories: माँ की चुदाई
Online version: मेरी मम्मी की अन्तर्वासना- 1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी मम्मी की अन्तर्वासना- 1

मेरी हॉट MILF मॉम मुझे अपने साथ वेकेशन पर ले गयी. मैं हॉस्टल में रह कर पढ़ता था तो मैंने अपनी माँ के साथ बहुत कम समय बिताया था। वेकेशन में हम एक–दूसरे के बेहद करीब आ गए।

यह कहानी एक विदेश में रहने वाले भारतीय मूल के पाठक ने अंग्रेजी से हिंदी में कंप्यूटर द्वारा अनुवादित करके भेजी है. इस लिए इसकी भाषा थोड़ी भिन्न है.
ये लेखक अन्तर्वासना के प्रशंसक हैं और काफी साल से इसकी कहानियों का मजा कंप्यूटर द्वारा अंग्रेजी में अनुवादित करके ले रहे हैं.

नमस्कार दोस्तो !
मेरा नाम बिनोद है।
मेरी उम्र अभी 26 साल है।
मैं दिखने में गोरा और मस्त हूँ।

यह कहानी आज से 6-7 साल पहले की है जब मैं अपनी माँ के साथ छुट्टी मनाने गया।

जब मैं छोटा था तब मेरे माता-पिता का तलाक हो गया।
मेरे पिता विदेश चले गए और मैं अपनी माँ के साथ रह गया।

माँ मेरी एक अंतरराष्ट्रीय फैशन कंपनी में वरिष्ठ प्रबंधन के पद पर थीं इसलिए हम आर्थिक रूप से सुरक्षित थे।
एकमात्र समस्या यह थी कि नौकरी के कारण माँ को हमेशा अंतरराष्ट्रीय दौरा करना पड़ता था और मैं अभी भी छोटा था।

हमेशा वे मुझे अपने रिश्तेदारों के यहां छोड़ देती।
मैंने अंततः घर से अधिक समय अपने रिश्तेदारों के साथ बिताया।
जब वे छोटी यात्रा पर जाती तब भी वे मुझे अपने नानी घर के परिवार के साथ छोड़ दिया करती थी।

हाई स्कूल में, मुझे एक दूर के बोर्डिंग स्कूल में भेज दिया गया।
बाद के कॉलेज के वर्षों में मैं डॉरमेट्री में रहने लगा।

उन वर्षों के दौरान मैंने अपनी माँ को केवल गर्मियों की छुट्टियों में ही देखा।
वह भी तब जब हमने दुनिया के कुछ बेहतरीन स्थानों पर छुट्टियां मनाई।

दुर्भाग्य से, उनके व्यस्त कार्यक्रम के कारण ये अवसर आम तौर पर पाँच या छह दिनों से अधिक नहीं चलते थे।

कॉलेज के तीसरे वर्ष के बाद मैंने गर्मियों में कुछ महिला सहपाठियों के साथ डेटिंग करके खुद को व्यस्त रखने की योजना बनाई थी।

पर मुझे पहले से सूचित किए बिना माँ ने हम दोनों के लिए समुद्र के किनारे एक लोकप्रिय रिसॉर्ट में छुट्टियां बुक कर ली।
जहां उन्होंने पाँच रातों के लिए सीधे समुद्र तट पर एक छोटा सा आलीशान विला किराए पर ले लिया।

पहले कुछ दिन धूप सेंकने और तैरने जैसी सामान्य गतिविधियों में बीत गए।
समुद्र तट पर सैर करना, सूर्यास्त होते देखना, रात को सराय में खाना और शाम को वेकेशन विला की छत पर हाथ में ड्रिंक लेकर बैठे रहना यहीं दिनचर्या थी हमारी।

माँ ने अचानक मेरे जीवन में काफी दिलचस्पी लेने लगी और हम बात करने में काफी समय

बिताने लगे।

उन्हें करीब से देखने पर मैं देख सकता था कि वे अभी भी अच्छी हालत में हैं।
चालीस साल की उम्र में भी वे अपने पतले शरीर, सुडौल स्तनों और तंग कमर के साथ अपने स्त्रीत्व के चरम पर थी।

समुद्र तट और सैर पर बहुत सारे मर्द मेरी हॉट MILF मॉम को घूरा करते लेकिन वे उन्हें नोटिस न करने का नाटक किया करती।

अंतिम दिन हमने अपने सनबेड और छतरी को समुद्र तट पर जल्दी छोड़ कर अपने विला में आ गए।

कपडे बदल कर हम एक स्थानीय रेस्तरां की छत पर विदाई रात्रि भोज करने चले गए।

रेस्तरां में हमने एक मार्टिनी के साथ सलाद, फ़िर लॉबस्टर और अन्य समुद्री भोजन के साथ हल्की फ्रेंच व्हाइट वाइन के साथ शुरुआत की।

रात के खाने के बाद हम रिसॉर्ट की बगल वाली व्यस्त पैदल सड़क पर चल पड़े।

रंगीन भीड़ के बीच टहलते हुए हम बार और कैफे में बज रहे संगीत को सुन पा रहे थे।

माँ ने अपनी बाँह मेरे दोनों कंधों पर रख दी और कभी–कभी अपना सिर भी मेरे कंधे पर टिका देती थी।
मैंने उनसे मजाक में कहा– आसपास खड़े लोग सोच सकते हैं कि मैं आपका प्रेमी हूँ।

उन्होंने एक जिज्ञासु अभिव्यक्ति के साथ पूछा– तुम होना चाहते हो ?
उन्होंने मेरी बांह को थोड़ा कस कर पकड़ रखा था।

उनके सवाल से मैं उलझन में आ गया।
मैंने कोई जवाब नहीं दिया।

जब हम घर पहुँचे तो हम समुद्र के ऊपर सूर्यास्त का आनंद लेने के लिए छत पर बैठ गए।
माँ ने बार कैबिनेट से शैम्पेन की एक बोतल निकाली और मुझे खोलने के लिए कहा।

फ़िर उन्होंने पतले शैम्पेन के गिलास में शैम्पेन डाल कर मुझे पकड़ाई।

वे मेरे बगल में बैठ गई और अपने गिलास से मुझे पिलाने लगी और बोलीं– मेरा बेटा कितना बड़ा और मर्द हो गया है!

फ़िर वे मुझे सिर से पाँव तक अजीब जिज्ञासु नज़र से देख रही थी।

घर पहुँचने पर माँ ने एक फॉर्म-फिटिंग, हल्के नीले रंग की पोशाक पहन ली थी।
यह स्पष्ट था कि पतले कपड़े के नीचे ब्रा या पैंटी की कोई रूपरेखा नहीं थी।

उन्होंने लापरवाही से अपने पैरों को मेरी तरफ वाली कुर्सी पर रख दिया।
जिससे उनकी चिकनी, लंबी, तनी हुई जांघें उजागर हो गई।

सबसे पहले मैंने केवल ताकने की हिम्मत की।
लेकिन शैम्पेन का नशा चढ़ने के बाद मैंने अपने बढ़ते उत्साह में उनके खुले, सेक्सी कर्व्स को देखा।
मेरा ऐसे देखना, घूरना उन्हें बिल्कुल भी परेशान नहीं कर रहा था।

उन्होंने मुस्कुराते हुए पूछा– क्या तुम मुझे पसंद करते हो?
मैं हकलाते हुए बोला– हाँ, बहुत!

शैम्पेन से कम नशीला पर यह स्थिति बहुत रोमांचक हो गई थी।

अंधेरा होने के बाद हम बेडरूम में आ गए!
जहाँ मैंने अपनी माँ के अनुरोध पर कुछ सुगंधित मोमबत्तियाँ जलाई।

हमारे कमरे में मृदु लैटिन अमेरिकी संगीत बैकग्राउंड में बज रहा था।
हमें नशा भी चढ़ गया था क्योंकि हमने अच्छी खासी शैम्पेन का सेवन किया था।

माँ ने कहा– मैंने आज बहुत अधिक धूप सेंकी है। क्या तुम मेरी पीठ पर लोशन लगा दोगे?
मैंने मासूमियत से कहा– बेशक!

पता नहीं मुझे यह क्यूं पर यह जानकर उत्साह आ गया।

उन्होंने मेरे सामने अपना पैर रखा और अपनी नग्नता प्रकट करते हुए पोशाक को अपने सिर के ऊपर से उतार दिया।
जब उन्होंने अपने सख्त स्तन, गुलाबी निप्पल और जांघों के बीच के काले बाल उजागर किए तो मैं सदमे से उन्हें घूरने लगा।

उन्होंने बिना किसी भी तरह की झिझक के बगैर मुझसे पूछा– अच्छा, तुम मेरे आकार के बारे में क्या सोचते हो?
मेरे मुंह से अचानक जवाब निकला– आश्चर्यजनक!

मैं उनकी गांड को पकड़ने के लिए लालायित हुआ जा रहा था।

मुझे अचानक अहसास हुआ कि हमने अपने जीवन में एक साथ इतना कम समय बिताया है।

अब वे मुझे एक माँ से ज्यादा एक दोस्त के रूप में दिख रही थी।

अचानक मेरे खड़े होने की वजह से मेरा लंड तन गया था।

माँ ने मेरे पतले शॉर्ट्स में उभार देखा और हल्के से कपड़े के ऊपर अपना हाथ चलाया।
मेरी माँ ने लंड को लगभग सहला ही दिया था।

वे अपने पेट के बल लेटी थी।
मैंने उनकी पीठ पर लोशन डाला और उनकी मालिश करना शुरू कर दिया।

वे हांफ रही थी और उनका शरीर कांप रहा था।
हालाँकि वे अभी इतनी उत्तेजित हुई नहीं थी, फ़िर भी मैंने उनके सुडौल तल पर मालिश जारी रखी।

अचानक बस मस्ती के लिए मैंने उनके नितंबों को अपनी हथेली से दे मारा।

जब मैंने उन्हें और भी कामुक प्रयास से एक बार फ़िर से मारा तो वे चौंकी और कराह उठी- फ़िर से मारो!

जैसे ही मैंने उन्हें मारना शुरू किया, वे बिल्ली की तरह अपने गोल तल को ऊपर उठाते हुए हांफने लगी।

वे चिल्लाई– जब तुम बच्चे थे तो तुम पर पर्याप्त ध्यान न देने के लिए मुझे दंडित करो!
उन्होंने कराहते हुए अपने दोनों गांड को जोड़ लिया।

बचपन से अपनी माँ को याद करने की सारी भावनाएँ मेरी स्मृति में फूट पड़ीं।
क्योंकि मैंने उनके चूतड़ों को अच्छी तरह से पीटा।

उन्होंने भीख मांगते हुए कहा– और मारो … मारते रहो … इसे रोको मत!
जबकि मैंने लगन से उनकी पहले की अज्ञात कामुक प्रवृत्तियों को संतुष्ट करने की कोशिश

की।

उनका छटपटाता शरीर अचानक हिंसक रूप से हिल गया और अपने संभोग सुख में उन्होंने अपने कराहने के लिए तकिये को चबा लिया।

मैंने ज़ोरदार गतिविधि से ब्रेक लेते हुए कहा– मैंने नहीं सोचा था कि आप इसे इतना एन्जॉय करेंगे।
उन्होंने जवाब दिया– मैंने कहां किया!

वे मेरे सामने झुकी और मुझे चूमने के लिए मेरे पास पहुँची।
उनके मुलायम भूरे बाल मेरे चेहरे पर आ गिरे।

मेरे सख्त और सूजे हुए लंड को मेरी पैंट से छुड़ाते हुए उन्होंने मेरे सूजे हुए लंड के सिर को अपने होंठों के बीच ले लिया और चूसने लगी।
मुझे लगा कि मैं उनके मुंह में स्खलन कर दूंगा।

यह जानते हुए कि मैं कामोत्तेजना के कगार पर हूँ, वे कुशलता से मुझे इंतज़ार कराने के लिए रुकी।
फ़िर अपनी जांघों को फैलाते हुए पीछे झुक गई।

मैं उनकी टांगों के बीच लेट गया।
फ़िर अपना चेहरा उनकी सुगन्धित चूत में दबा दिया और उनकी सूजी हुई और कांपते चूत के होंठों को चाटना और चूसना शुरू कर दिया।
जबकि अपनी दो उंगलियां उनकी नम योनि में डालकर उन्हें और उत्तेजित करने लगा।

वे इसे लंबे समय तक बर्दाश्त नहीं कर सकी और हांफती हुई कहने लगी– कृपया मुझे जोर से चोदो, अपना सख्त लंड मेरे अंदर डालो!

एक अच्छे बेटे के रूप में मैंने उनकी इच्छा को पूरा किया।

उनकी गर्म, पहले से ही रस से भरी चिकनी चूत को मैं बेतहाशा चोदना शुरू किया।

इस बीच मैंने उनके पिछवाड़े को पकड़ लिया जो पिछली पिटाई से जल रहा था.
उन्हें फ़िर से सुखद दर्द हो रहा था।

अपने नाखूनों को मेरी पीठ और निचले हिस्से में रगड़ते हुए वे सिसकारियां लेने लगी–
ओह … ओह !

मेरा मॉम मेरी भारी सांसों के साथ कदम ताल करते हुए मेरा पूरा सहयोग कर रही थी।
वे कराह रही थी, छटपटा रही थी, हांफ रही थी।

जब मैंने अचानक अपने लिंग को उनके चूत के अंदरूनी छोर तक धकेला।
तब वे चिल्लाई– मैं झड़ रही हूँ !

जब वे चोटी पर पहुँची तो उनके पास एक विशाल संभोग सुख था।
जिसमें लगभग रोने की आवाजें भी आ रही थी।

मैंने उसी समय अपने वीर्य को उनकी चूत में छोड़ दिया।
इसके बाद ही उनकी योनि ने लयबद्ध झटके दिए और उनकी चूत ने मुझ पर धाराओं में अपने स्खलन रस का छिड़काव किया।

जब हम एक-दूसरे के बगल में लेट गए और हमारी सांसें आखिरकार शांत हो गईं तो
उन्होंने मुझसे पूछा– तुम मुझे पसंद नहीं करते हो. है ना ?
मैंने कहा– बिल्कुल नहीं !

अपनी बेचैनी के बावजूद मैं उनके बालों के लटों से छेड़खानी करने लगा।

आगे उन्होंने कहा– ऐसा मत सोचो कि मैं एक चालू महिला हूँ। तुम जानते हो, मेरे करियर के कारण मुझे शायद ही कभी ऐसा सुख मिलता है।

मैंने उन्हें शांत करने के लिए कहा– यह आपके साथ एक शानदार अनुभव था माँ!
फ़िर उनसे लिपट कर मैं उनकी बाँहों में सो गया जैसे मैं बचपन में सोता था।

अगले दिन हमने घर के लिए उड़ान भरी और मैं हवाई अड्डे से ट्रेन पकड़ कर वापस डॉरमेट्री में आ गया।

तो दोस्तो, यह थी मेरी पहली चुदाई की मेरी हॉट MILF मॉम के साथ!
अपना कीमती सुझाव आप जरूर दें।
धन्यवाद!
binodft@yahoo.com

मेरी हॉट MILF मॉम कहानी का अगला भाग : मेरी मम्मी की अन्तर्वासना- 2

Other stories you may be interested in

मेरी मम्मी की अन्तर्वासना- 2

हॉट BDSM सेक्स विद लस्टी मॉम का मजा दूसरी बार मॉम ने छुट्टियों की मौज मस्ती के दौरान ही दिया. पहले सेक्स के बाद मैं माँ से दुबारा सेक्स के लिए मैं पागल था, हर समय उनके बारे में सोचता […]
Full Story >>>

पति से अलग हुई लड़की संग पहला सेक्स अनुभव- 2

फर्स्ट सेक्स एक्सपीरियंस विद मैरिड गर्ल वाला मजा मुझे दिया मेरी एक दोस्त की विवाहिता बहन ने जो पति से अलग मायके में रहती थी. वह मेरे होस्टल रूम में आ गयी. नमस्कार दोस्तो ! मेरी कहानी के पहले भाग पति […]
Full Story >>>

पति से अलग हुई लड़की संग पहला सेक्स अनुभव- 1

मैरिड गर्ल X कहानी में मेरे कॉलेज में एक लड़की मेरी दोस्त बनी. उसके घर मैं उसकी बहन से मिला. लड़की की बहन ने मुझे अपनी वासना शांत करने के लिए पटाना शुरू कर दिया। मेरा नाम एकम है। मैं […]
Full Story >>>

समुद्र तट पर मिली लड़की को चोदा

हॉट गर्ल बीच सेक्स कहानी में मैं गोवा घूमने गया तो अकेला समुद्र तट पर घूम रहा था. सागर की रेत पर एक लड़की घूम रही थी, वह मुझे अच्छी लगी. दोस्तो, मेरा नाम युवराज है. मैं घुमक्कड़ किस्म का […]
Full Story >>>

मेरी पहली गर्लफ्रेंड की यादें

सेक्स विद टीनएज गर्लफ्रेंड का मजा मुझे गाँव में बनी मेरी दोस्त ने दिया. 12वीं का रिजल्ट आया तो वह फेल थी. मैंने उसका हौसला बढ़ाया और हम बात करने लगे। हमारे बीच प्यार हो गया और फ़िर क्या हुआ। […]
Full Story >>>